

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

कविच्चक्रवर्ति कम्बर् इयद्रिय
शङ्गोपर् अन्दादि

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

शङ्गोपर अन्दादि

शिरप्पु प्पायिरम्

तेविल् शिरन्द तिरुमाञ्कु तक्क तैय्व कविजन्
पाविल् शिरन्द तिरुवाय्मोळि पगर् पण्डिदने
नाविल् शिरन्द अम् मारञ्कु तक्क नन् नावलवन्
पूविल् शिरन्द आळ्वान् कम्ब नाट्टु प्पुलमैयने

आरणत्तिन् शिरम् मीदुरै शोदियै अन् तमिळाल्
पारणम् शैय्दवनै कुरुगूरनै प्पन्पलवा
नारणनाम् ऐन एत्ति तौळ कवि नल्गु कौडै
क्कारणनै कम्बनै निनैवाम् उळ् कळिप्पुरवे

नम् शङ्गोबनै प्पाडिनैयो ऐन्नु नम् पैरुमाळ्
विञ्जिय आदरत्ताल् केड्ड कम्बन् विरैन्दुरैत्त
चैञ्जोल् अन्दादि कलित्तुरै नूरुम् तैरियुम् वण्णम्
नैञ्जडियेन्करुळ् वेदम् तमिळ् शैय्द निन्मलने

नादन् अरङ्गन् नयन्दुरै ऐन्न नल् कम्बन् उन् तन्
पादम् परविय पैन् तमिळ् नूरुम् परिवुडने
ओदुम् पडि ऐनक्कुळ्ळम् तनै अरुळ् ओदरिय
वेदम् तमिळ् शैय्द मैय् प्पोरुळे इदैन विण्णप्पमे

तन् शिरप्पु प्पायिरम्

मन्ने पुगळुम् तिरुवळुन्दूर् वळ्ळल् मारनै मुन्
 चेन्ने मदुरगवि प्पेरुमाळ् तेन् तमिळ् तौडैयिल्
 ओन्ने पदिगम् उरैत्तवन् पौन् अडि उट्टु निन्नान्
 ऐन्ने पदिगम् पदिगम् अदाग इशैत्तनने

शडगोबर् अन्दादि नूल्

वेदत्तिन् मुन् शौला मैय्युणन्दोर् विरिञ्जन् मुदलोर्
 कोदट्र जान कौळुन्दिन् मुन् शौला कुणम् कडन्द
 पोद कडल् ऐङ्गळ् तेन् कुरुगूर् प्पुनिदन् कवि ओर्
 पादत्तिन् मुन् शौल्लुमे तौल्लै मूल प्परञ्जुडरे ॥ 1 ॥

चुडर् इरण्डे पण्डु मून्नायिन तुगळ् तीर्न्दुलगत्तु
 इडर् इरण्डाय् वरुम् पेर् इरुळ् शीप्पन ऐम् पिरप्पै
 अडर् इरण्डाम् मलर् ताळ् उडैयान् कुरुगैक्करशन्
 पडर् इरुम् कीर्त्ति प्पिरान् तिरुवाय्मोळि प्पावौडुमे ॥ 2 ॥

पा ओडुक्कुम् नुण् इशौ ओडुक्कुम् पलवुम् परैयुम्
 ना ओडुक्कुम् नल् अरिवौडुक्कुम् मट्टुम् नाट्टु प्पट्टु
 ते ओडुक्कुम् पर वाद चैरु ओडुक्कुम् कुरुगूर्
 प्पू ओडुक्कुम् अमुद तिरुवायिरम् पोन्दनवे ॥ 3 ॥

तनमाम् शिलर्क्कु त्तवमाम् शिलर्क्कु त्तरुम् निरै
 कनमाम् शिलर्क्कदर् कारणमाम् शिलर्क्कारणत्तिन्
 इनमाम् शिलर्क्कदक्कैल्लैयुमाम् तौल्लै एर् वगुळ्
 वनमालै ऐम्बेरुमान् कुरुगूर् मन्नन् वाय्मोळिये ॥ 4 ॥

मोळि पल आयिन शैप्पम् पिरन्दतु मुत्ति ऐय्दुम्
 वळि पल वाय विट्टोन्ना अदु वळुवा नरग
 कृळि पल आयिन पाळ् पट्टदु कुळिर् नीर् प्पोरुनै
 चुळि पल वाय् ओळुगुम् कुरुगूर् ऐन्दै तोन्नलिने ॥ 5 ॥

तोन्ना उबनिडद प्पोरुळ् तोन्नल् उट्टार् तमक्कुम्
 चान्नाम् इवै ऐन्न पोदु मट्टेन् पल कालुम् तम्मिन्
 मून्नायिनवुम् निनैन्दारणत्तिन् मुम्मै तमिळै
 ईन्नान् कुरुगै प्पिरान् ऐम्बिरान् तन् इशै क्कविये ॥ 6 ॥

कविप्पा अमुदम् इशैयिन् करियोडु कण्णन् उण्ण
 कृविप्पान् कुरुगै प्पिरान् शङ्गोबन् कुमरि कौण्णन्
 पुवि प्पावलर् तम् पिरान् तिरुवाय्मोळि पूशुरर् तम्
 चैवि प्पाल् नुळैन्दु पुक्कुळ्ळत्तुळे निन्नु तित्तिक्कुमे ॥ 7 ॥

तित्तिक्कुम् मूल तैळियमुदे उण्डु तैय्वमैन्बार्
 पत्तिक्कु मूल प्पनुवन्कु मूलम् पवम् अरुप्पार्
 मुत्तिक्कु मूलम् मुळरिक्कै वाणगै मौय् कुळलार्
 अत्तिक्कु मूलम् कुरुगै प्पिरान् शौन्न आयिरमे ॥ 8 ॥

आयिरम् मा मरैक्कुम् अलङ्गारम् अरुन् तमिळ्क्कु
 प्पायिरम् नार् कविक्कु प्पडि च्चन्दम् पनुवन्कैल्लाम्
 ताय् इरु नाट्रिशैक्कु तनि तीबम् तण्णम् कुरुगूर्
 च्चेयिरु मा मरबुम् शैव्वियान् शैय्द शैय्युङ्गळे ॥ 9 ॥

चैय् ओडरुवि कुरुगै प्पिरान् तिरु मालै नङ्गळ्
 कै ओर् कनि ऐन क्काट्टि तन्दान् कळन्के कमलम्

पेय्योम् अवन् पुगळ् एत्ति प्पिदट्रि प्पित्ताय् त्तिरियोम्
ऐयो अरिदुम् ऐन्ने उबगारत्तिन् आट्रलैये ॥ 10 ॥

आट्रिल् पौदिन्द मणलिन् तौगैयरु मा मरैगळ्
वेट्रिल् पौदिन्द पौरुळाळ् ऐल्लाम् विळु मा क्कमलम्
चेट्रिल् पौदि अविळ्क्कुम् कुरुगूरर् शौञ्जोर् पदिगम्
नूट्रिल् पौदिन्द पौरुळ् ओरु कूरु नुवल्गिलवे ॥ 11 ॥

इलवे इदळुळवे मुल्लै उळ् इयम्बुम् मौळियुम्
चिलवे अवै शौळुन् तेनौक्कुमे तमिळ् चैञ्जोक्कळाल्
पल वेदमुम् मौळिन्दान् कुरुगूरर् प्पदुमत्तिरण्डु
चल वेल्गळुम् उळवे अदु काण् ऐन् तनि उयिरे ॥ 12 ॥

उयिर् उरुक्कुम् पुक्कुणर्वुरुक्कुम् उडलत्तिनुळ्
चैयिर् उरु क्कोण्ड नम् तीङ्गुरुक्कुम् तिरुडि तिरुडि
तयिर् उरुक्कुम् नैय्योडुण्डान् अडि चडगोबन् शन्दोडु
अयिर् उरुक्कुम् पौरुनल् कुरुगूरर् ऐन्दै अन् तमिळे ॥ 13 ॥

अन्दम् इला मरै आयिरत्ताळन्द अरुम् पौरुळै
चैन् तमिळाग तिरुत्तिलनेल् निल तेवर्गळुम्
तन्दम् विळावुम् अळगुम् ऐन्नाम् तमिळार् कवियिन्
पन्दम् विळा ओळुगुम् कुरुगूरर् वन्द पण्णवने ॥ 14 ॥

पण्ण प्पडुवनवुम् उळवो मरै ऐन्नु पल्लोर्
ऐण्ण प्पड चोल् तिगळ् चैय्दान् इयलोडिशैयिन्
वण्ण प्पडैक्कु तनि तलै वेन्दन् मलर् उगुत्त
चुण्ण प्पडर् पडप्पै कुरुगूरर् वन्द शौल् कडले ॥ 15 ॥

कडलै कलक्कि अमुदमरक्कळित्तान् कळित्तार्
 कुडलै कलक्कुम् कुळिर् शङ्गिन्नान् कुरैया मरैयिन्
 तिडलै कलक्कि तिरुवाय्मोळि ऐनुम् तेनै तन्दान्
 नडलै प्पिरप्परुत्तैन्नेयुम् आट् कौण्ड नायगने ॥ 16 ॥

नाय् पोल् पिरर् कडै तोरुम् नुळैन्दवर् ऐच्चिल् नच्चि
 प्पेय् पोल् तिरियुम् पिरवियिनेनै प्पिरवि ऐनुम्
 नोय् पोम् मरुन्देन्नुम् नुन् तिरुवाय्मोळि नोक्कुवित्तु
 ताय् पोल् उदवि शैय्दाय्क्कडियेन् पण्डेन् शादित्तदे ॥ 17 ॥

चादिकुमे पर तत्तुवत्तै च्चमय तिरुक्कै
 चेदिकुमे ओन्नु शिन्दिकुमे अदनै तैरिय
 प्पोदिकुमे ऐङ्गुम् ओङ्गि प्पोदु निन्कुम् मेय्यै प्पोय्यै
 च्चोदिकुमे उङ्गळ् वेदम् ऐम् कोन् तमिळ् च्चौल् ऐनवे ॥ 18 ॥

चौल् ऐन्नो नो मुळु वेद च्चुरुक्कैन्नो नो ऐवक्कुम्
 नैल् ऐन्नो नो उण्णुम् नीर् ऐन्नो नो मरै नेर् निरुक्कुम्
 कल् ऐन्नो नो मुदिर् जानक्कनि ऐन्नो नो पुगल
 वल् ऐन्नो नो कुरुगूर् ऐम्बिरान् शौन्न मालैयैये ॥ 19 ॥

मालै क्कुळलियुम् विल्लियुम् मारनै वाळत्तलर् पोम्
 पालै क्कडम् पगले कडन्देगि प्पणै मरुदत्तु
 आलै क्करुम्बिन् नरेल् ऐन्नुम् ओशैयै अञ्जि अम् पौन्
 चालै क्किळि उरङ्गा तिरु नाट्टिडम् शार्वार्गळे ॥ 20 ॥

चारल् कुरिञ्जि तळुवुम् पौळिल् तळिर् मैल्लडि तण्
 मूरल् कुरिञ्जि नगै मुगम् नोक्कु नी मुडुगुम्

चूरल् कुरिञ्जि नेरि निनै तोरुम् तुणुक्केनुमाल्
वारल् कुरुगै प्पिरान् तिरु आणै मलैयवने ॥ 21 ॥

मलै आरमुम् कडल् आरमुम् पन् मा मणि कुरिन्ऱ
विलै आरमुम् विरवुन् तिरु नाडनै वेलै शुट्ट
चिलैयार् अमुदिन् अडि शङ्गोबनै च्चेन्निरैञ्जुम्
तलैयार् ऐवर् अवरे ऐम्मै आळुम् तबोदनरे ॥ 22 ॥

पोन्देरुग ऐन्निरैयार् पुगलिनुम् पून्दोळुविन्
वेन्देरुडर्त्तवन् वीडे पेरिनुम् ऐळिल् कुरुगूर्
नाम् तेरिय अरिवन् तिरुवाय्मोळि नाळुम् नल्गुम्
तीन् तेरुलुण्डुळुम् शित्तिये वन्दु शित्तिक्कुमे ॥ 23 ॥

चित्तर्कुम् वेद चिरम् तेरिन्दोर्गङ्कुम् शेय्दवर्कुम्
चुत्तर्कुम् मट्रै तुरै तुरन्दोर्गङ्कुम् तौण्डु शेय्युम्
पत्तर्कुम् जान प्पगवर्कुमे अन्नि प्पण्डु शेन्ऱ
मुत्तर्कुम् इन्नमुदम् शङ्गोबन् मोळि तौगैये ॥ 24 ॥

तौगै उळवाय पनुवक्कैल्लाम् तुरै तोरुम् तौट्टाल्
पगै उळवाम् मट्टुम् पट्टुळवाम् पळ नान् मरैयिन्
वगै उळवागिय वादुळवाम् वन्द वन्दिडत्ते
मिगै उळवाम् कुरुगूर् ऐम्बिरान् तन् विळु तमिळ्क्के ॥ 25 ॥

विळुप्पार् इनि ऐम्मै यार् पिरवि तुयर् मैय् उर वन्दु
अळुप्पादोळिमिन् अरु विनैगाळ् उम्मै अप्पुरत्ते
इळुप्पान् ओरुवन् वन्दिन्ऱु निन्नान् इळ नागु शङ्गम्
कौळुप्पाय् मरुदम् शुलाम् कुरुगूर् ऐम् कुल कौळुन्दे ॥ 26 ॥

कौळुन्दोडिलैयुम् मुगैयुम् ऐल्लाम् कौय्युम् कौय् मगिळ् क्कीळ्
 विळुन्दोडुवदोर् शरुगुम् पैराळ् विरल् मारनेन्नाल्
 अळुम् तोळ् तळरुम् मनमुरुगुम् कुरुगूर् अरैयिल्
 ऐळुन्दोडवुम् करुत्तुण्डु कैट्टेन् इव्विळङ्गोडिके ॥ 27 ॥

कौडि ऐडुत्तु कौण्डु निन्नेन् इनि कौडुम् कूट्रिनुक्कोर्
 अडि ऐडुत्तु कौण्डेन् पाल् वरल् आगुम् कौल् आरणत्तिन्
 पडि ऐडुत्तु कौण्ड मारन् ऐन्नाल् पदुम करङ्गळ्
 मुडि ऐडुत्तु कौण्ड अन्दणर् ताळ् ऐन् मुडि ऐनवे ॥ 28 ॥

ऐन् मुडियादेनक्कु यादे अरियदिरावणन् तन्
 पौन् मुडियाल् कडल् तूर्त्त विल्लान् पौरुनै तुरैवन्
 तन् मुडियाल् अवन् ताळ् इणै क्कीळ् ऐ प्पौरुळुम् तळीइ
 चोल् मुडियाल् अमुद क्कवि आयिरम् शूट्टिनने ॥ 29 ॥

चूट्टिल् कुरुगुरङ्गुम् कुरुगूर् तौळुदेन् वळुदि
 नाट्टिल् पिरन्दवर्क्काळुम् शैय्देन् ऐन्नै नल् विनैयाम्
 काट्टिल् पुगुद विट्टुय्य कौळ् मारन् कळल् पट्रि प्पोय्
 वीट्टिल् पुगुदन्कुम् उण्डे कुरै मरै मैय् ऐनिले ॥ 30 ॥

मैय्युम् मैय् आयदु पौय्युम् पौय् आयदु वेरु पडुत्तु
 उय्युम् मैय्याय उबायम् वन्दुट्रदुरु विनैयै
 कौय्युम् मैय् वाळ् वलवन् कुरुगैक्करशन् पुलमै
 चैय्युम् ऐयन् तनक्के तनि ताळन्बु शैय्द पिन्ने ॥ 31 ॥

चैय्यन् करियन् ऐन तिरुमालै तैरिन्दुणर
 वैयम् करियल्ल माट्टा मरै मदुर कुरुगूर्

ऐयन् कवि अल्लवेल् पिरवि कडलाळ्वदल्लाल्
उय्युम् वगै औन्नुम् यान् कण्डिलेन् इव्वुयिर्गळुक्के ॥ 32 ॥

उयिर् तारैयिल् पुक्कुरु कुरुम्बाम् औरु मून्नैयुम्
चैयित्तार् कुरुगै वन्दार् तिरुवाय्मोळि शैप्पलुद्राल्
मयिर् तारैगळ् पौडिक्कुम् कण्णळ् नीर् मल्गुम् मा मरैयुळ्
अयित्तार् अयित्त पौरुळ् वैळियाम् ऐङ्गळ् अन्दणर्क्के ॥ 33 ॥

अन्दणर्को नल् अरुन्दवर्को अन्नि योगियराय्
वन्दवर्को मरम् वादियर्को मगर कुळै शेर्
चुन्दर तोळनुक्को अवन् तौण्डर्गङ्गो शुडर् तोय्
चन्दन चोलै कुरुगै पिरान् वन्दु शन्दित्तदे ॥ 34 ॥

चन्दियुम् शन्दि प्पदमुम् अवै तम्मिले तळैक्कुम्
पन्दियुम् पल् अलङ्गार प्पौरुळुम् पयिलुगिन्पीर्
वन्दियुम् वन्दिप्पवरै वणङ्गुम् वगै अरिवीर्
चिन्दियुम् तेन् कुरुगूर् तौळुदाङ्गैय्युम् तेवरैये ॥ 35 ॥

तेवरै एरिय मूदरिवाट्टियै चीरळित्तीर्
पूवरै एरिय कोदै उळ्ळम् पुगुन्दार् ऐवरैन्नु
एवरै एरि मौळिगिन्ऱ पौदियम्बिट्टिरैवर्
मूवरैयो कुरुगूरैयो शौल्लुम् मुन्दुरवे ॥ 36 ॥

तुरवादवर्कुम् तुरन्दवर्कुम् शौल्लवे शुरक्कुम्
अरवा अवै इङ्गोर् आयिरम् निन्क अन्दो शिलर् पोय्
मर वादियर् शौन्न वाशगमाम् मलट्टावै प्पट्टि
करवा क्किडप्पर् अङ्गेन् पैरवो तङ्गळ् कै वलिप्पे ॥ 37 ॥

कै तलै प्पेय्दरुम् पूशलिट्टु क्कवियाल् उलगै
 उय्दलै च्चेय्दतुम् पोय् ऐन्नुमो शेन्ऱव्वूर् अरिय
 वैदलैत्तेशुदुमो कुरुगूर् ऐन्नुम् आररिया
 प्पैदलै क्कोगुगट्टिट्टिट्टिल् एट्रिय पण्बनैये ॥ 38 ॥

पण्णुम् तमिळुम् तवम् शेय्दन पळ नान्मरैयुम्
 मण्णुम् विशुम्बुम् तवम् शेय्दन मगिळ् मारन् शेय्युळ्
 ऐण्णुम् तगैमैक्कुरिय मैय् योगियर् जानम् ऐन्नुम्
 कण्णुम् मनमुम् शेवियुम् तवम् शेय्द कालत्तिले ॥ 39 ॥

कालत्तिले कुरुगूर् पुक्कु कै क्कोण्मिनो कडै नाळ्
 आलत्तिले तुयिन्ऱोर् कौण्ड ऐयिरण्डाय् अमैन्द
 कोलत्तिले मुळैत्तु क्कोळुन्दोडि कुणम् कडन्द
 मूलत्तिले शेल्ल मूट्टिय जानत्तैम् मूर्त्तियैये ॥ 40 ॥

मूर्त्तित्तनै इम् मुळु एळ् उलगुम् मुळुगुकिन्ऱ
 तीर्त्तित्तनै च्चेय्य वेदत्तित्तनै तिरुमाल् पैरुमै
 पार्त्तन्करुळिय पारदत्तै प्पणित्तानुम् निन्ऱ
 वार्त्तै कुरुगै प्पिरानुम् कण्डान् अम् मरै प्पोरुळे ॥ 41 ॥

पोरुळै चुवै ऐन्नु पोवदैङ्गे कुरुगूर् प्पुनिदन्
 अरुळै चुमन्दवळ् कण्णिन् कडै तिरन्दारुबट्टु
 कुरुळै चुमन्दु वैळि परन्दोट्टुरुम् कोळ्ळै वैळ्ळम्
 उरुळै चुडर् मणि तैरै अन्दो वन्दुदैक्किन्ऱदे ॥ 42 ॥

वन्दडि क्कोण्डन कोङ्गैगळ् मारन् कुरुगै वञ्जि
 कौन्दडि क्कोण्ड कुळलुम् कलैयुम् कुलैन्दलैय

पन्दडिक्कुन् तौरुम् नैञ्जम् परै अडिक्किन्ऱदेन्ऱाल्
चैन् तडित्तन्न मरुङ्गिन्कुण्डो निन्कुम् शिक्कनवे ॥ 43 ॥

कन वायिनवुम् तुरियमुम् आयवैयुम् कडन्दु
मन वाशगङ्गळै वीशिय मारनै मा मरैयै
विनवादुणर्न्द विरगनै वैव्विनैयै तौलैत्त
चिन वारणत्तै कुरुगैक्करशनै चेर्न्दनमे ॥ 44 ॥

चेरादन उळवो पैरुञ्जैल्वर्कु वेदम् शैप्पुम्
पेरायिरम् तिण् पैरुम् पुयम् आयिरम् पैय् तुळव
त्तारार् मुडियायिरम् कुरुगूर् चडगोबन् शौन्न
आरा अमुद कवि आयिरम् अव्वरियिनुक्के ॥ 45 ॥

अरिवळै पौन् मगिळ आयिळैक्कीयुम् कौल् अन्दि वन्दु
मुरिवळै मुत्तुम् शिनैयुम् मयङ्ग मुरै शैरुत्तु
वरि वळैयुम् अन्नमुम् तम्मिले वळक्काड वलम्
पुरिवळै ऊडरुक्कुम् कुरुगूर् ऐम् पुरवलने ॥ 46 ॥

पुरै तुडैत्तु प्पेरुम् पौय्युम् तुडैत्तु प्पिरर् पुगलुम्
उरै तुडैत्तङ्गुळ्ळु ऊशल् तुडैत्तैम् उरु पिरवि
त्तुरै तुडैत्ताट्ठोण्ड तौण्डर् पिरान् तुरै नीर् प्पोरुनै
करै तुडैक्कुम् कडले तुडैयेल् अन्बर् काल् शुवडे ॥ 47 ॥

चुवडिरक्क तौडर् आशै कळिट्रै तौडर्न्दिरण्डु
कवडिर कट्टिय पाश तळै कण् परिन्दु शङ्ग
क्कुवडिर कुत्तिय मार प्पेयर् कौलैयानै नङ्गाय्
इवडिरत्तौन्ऱुम् पडर् अन्दिवानम् इरुळिगन्ऱदे ॥ 48 ॥

इरुळाय् प्परन्द उलगङ्गळै विळक्कुम् इरवि
 पौरुळाय् प्परन्दतु तान् पौदु निद्रलिन् मद्रदु पोल्
 मरुळाय् प्परन्द मयक्क तुयक्कद्र मारन् ऐम् कोन्
 अरुळाल् शमयम् ऐल्लाम् परन् उण्डेन्ऱिवुद्रदे ॥ 49 ॥

अरिवे उनै तौळुदेन् मद्रै आगम वादियरै
 चेरिवेन् ऐन ओन्नु शिन्दै शैय्यादु शैय्दरै इल्ला
 नैरि वेद निन्ऱ निलै उणन्दोन् कुरुगूर् निलत्तै
 प्पिरिवेन् ऐनवुम् ऐण्णादेन्नै वीडु पेरुत्तिनैये ॥ 50 ॥

पैरुम् पाक्कियम् उळ्ळ पोदुम् पिळैप्पुम् उण्डे पिरर् पाल्
 वैरुम् पा क्किळत्ति मैलिगिन्ऱ ऐन्नै विनै कौडु प्पोय्
 ऐरुम्बाक्किय तमियेनै अमरर्कुम् एर विट्टान्
 कुरुम्बाक्किय मुप्पगै तवित्ताण्ड कुरुगै मन्ने ॥ 51 ॥

कुरुगूर् नगर् ऐम्बिरान् अडियारोडुम् कूडि अन्बुद्रु
 ओरु कूरैयिल् उरैवार्कुम् उण्डे ऐम्मै उळ्ळुम् शुद्रुम्
 इरुगूर् विनैयुम् अरुत्तिरप्पार्कुम् इयन्कै अव्वूर्
 अरुगूर् अरुगिल् अयल् अयलार्कुम् अरियदन्ने ॥ 52 ॥

अन्नाद अन्ऱिलैयुम् अन्नुवित्तेन्नै अन्नै उडन्
 पिन्नाद वण्णम् ऐल्लाम् पिन्नुवित्तु प्पिरै कौळुन्दै
 ओन्नाद वण्णम् उबायम् इयद्रियदूळ् विनैयै
 वेन्नान् कुरुगै प्पिरान् मगिळे अन्ऱि वेरिल्लैये ॥ 53 ॥

वेरे नमक्किवन् अन्बुडै मैय्यडियान् ऐन्ऱुळुम्
 तेरेन् ऐनलदु तेर तगुम् शेन् तमिळ् प्पुलवर्कु

ऐरे ऐदिगळुक्किन्नमुदे ऐरि नीर् प्पोरुनै
आरे तौडर् कुरुगूर् मरैयोर् पेट्र आणि प्पोन्ने ॥ 54 ॥

पोन्ने उरैप्पद प्पोन्नौडन्ने पुलमैक्कोरुवर्
उन्ने उरैत्तुरैत्तन्कुळरो उयर् नान्कवियुम्
पिन्ने उरैक्क प्पेरुवदल्लाल् पैरुन् तण् कुरुगूर्
तेन्ने उरैक्कुम् इयन्कुम् इशैक्कुम् शिगामणिये ॥ 55 ॥

मणित्तार् अरशन् तन् ओलैयै तूदुवन् वाय् वळिये
तिणित्ताशळिय च्चिदैमिन् तलैयै ऐम् ती विनैयै
तुणित्तान् कुरुगै प्पिरान् तमिळाल् शुरुदि प्पोरुळै
प्पणित्तान् पणि अन्नेनिल् कौळुम् कौळुम् ऐम् पावैयैये ॥ 56 ॥

पावै तिरुवाय्मोळि प्पळत्तै प्पशुम् कन्पगत्तिन्
पूवै प्पोरु कडल् पोदा अमुदै प्पोरुळ् शुरक्कुम्
कोवै प्पणित्त ऐम् कोवै अल्ला ऐन्ने कुट्रम् कण्डेन्
नावै प्परिप्पिनुम् नल्लर् अन्नो मट्रै नावलरे ॥ 57 ॥

नावलन् तीविल् कविगळ् ऐल्लाम् शिल नाळ् कळिय
प्पूवलन् तीवदु पोल्व अल्लाल् कुरुगूर् प्पुलवन्
केवलन् तीङ्गरुप्पान् कवि पोल् ऐङ्गुम् पोय् कैळुमि
क्कूवलन् तीम् पुनलुम् कौळुमे वैळुम् कोळिळैत्ते ॥ 58 ॥

इळैत्तार् ओरुवरुम् इल्ला मरैगळै इन् तमिळाल्
कुळैत्तार् कुरुगैयिर् कूट्टम् कौण्डार् कुमरि तुरैवर्
मळैत्तार् तड कैगळाल् ऐन्ने वानिन् वरम्बिडै निन्नु
अळैत्तार् अरिवुम् तन्दार् अङ्गुम् पोयवर्क्काडैय्वने ॥ 59 ॥

आद्वैय्यलावदैल्लाम् शैय्दडि अडैन्देन् अदन्नि
 ताद्वैय्य तामरै ऐन् तलै एट्रनन् तण् कुरुगूर्
 नाद्वैय्य पून्दोडै मारन् ऐन्नेन् इनि नाट् कुरित्तु
 कोद्वैय्यलावदुण्डे ऐन्नारुयिर् कूट्रिनुक्के ॥ 60 ॥

कूर प्पडा मरैयिन् पोरुळ् कूरि कुवलयत्तोर्
 मार प्पडा विनै माट्रिय मारन् मगिळलङ्गल्
 नार प्पडा निन्न पोदमुदागुम् अदन्नि नञ्जम्
 तेर प्पडादु कैट्टेन् मन्ऱल् नारुम् तण् तैन्ऱलैये ॥ 61 ॥

तैन्ऱलै तोन्ऱुम् उबनिडदत्तै ऐन् ती विनैयै
 निन्ऱलै तोन्ऱुम् नियाय नैरियै निरै कुरुगूर्
 मन्ऱलै तोन्ऱुम् मदुरगवियै मनत्तुळ् वैप्पार्
 ऐन्ऱलै तोन्ऱैम्बिरान्कळ् ऐन् नावुक्कुरियवरे ॥ 62 ॥

उरिक्किन्ऱ कोडलिन् उन्दु कन्दम् ऐन् ओन्ऱुमिन्ऱि
 विरिक्कुन् तोरुम् वैरुम् पाळाय् विडुम् पिरर् पुन् कवि मैय्
 तैरिक्किन्ऱ को चडगोबन् तन् तैय्व कवि पुवियिल्
 शुरिक्किन्ऱ नुण् मणल् ऊट्रौक्कुम् तोण्ड चुरत्तलिने ॥ 63 ॥

चुरक्कुम् तिरुवुम् वरुमैयुम् तीरुम् तौडक्कु विट्टु
 क्करक्कुम् इरुविनै मेन्मैयुम् काणुम् कयल् कुदिप्प
 त्तिरक्कुम् कळै नैडुन् ताळिल् तौडुत्त शैन् तेनुडैन्दु
 परक्कुम् पळन वयल् कुरुगूर् वळम् पाडुमिने ॥ 64 ॥

पाडुम् करङ्गुम् शिरै वण्डु पाड प्पैन् ताळ् कुवळै
 तोडुम् करङ्गुम् कुरुगै प्पिरान् इच्चुळल् पिरवि
 ओडुम् करङ्गन्न वाळ्कैयै नीक्कि उणर्वुदवि
 वीडुम् तिरन्दु तन्दानै ऐन्नान्ऱुम् विडगिलमे ॥ 65 ॥

विडवन्दगार वैम् पालिर् पराङ्गुशर् मैल्लियलुक्कु
 इडर् वन्ददाल् ऐन्निरङ्गि प्पुणर्न्दिलर् इन्नुयिरै
 अडवन्द कालन् कौलो अरियेन् इन्निव्वन्दि वन्दु
 पडवन्दगार प्पेरुम् पुगै ओडि प्परक्किन्दे ॥ 66 ॥

परवादु केट्टिनि प्पैय नड शुरुदि प्पशुक्कळ्
 चुरवादवट्रै चुरप्पित्तवै शौरियुम् पौरुळ् पाल्
 करवादुदविय मारन् कवि अनैयाय् इनि ओर्
 शरवादम् इप्पुरम् अप्पुरम् काण् अत्तडम् पणैये ॥ 67 ॥

तडम् पणै तण् पौरुनै कुरुगूरर् तगै वगुळ्
 वडम् पणै कौङ्गैयिल् वैक्किन्निलर् मट्रै मालै ऐल्लाम्
 उडम्बणैक्कुन् तौरुम् वेन्दुगुम् ऐन्दु वैम् पाम्बुमिळ्न्द
 विडम् पणै कौण्डनवे पनि तोट्टिडु मेगङ्गळे ॥ 68 ॥

मेगत्तै आट्रिल् कण्डेन् ऐन्नेण्णादु मैय्यन् कुरुगूरर्
 प्पागत्तै आट्रुम् शौल्लाळै क्कण्णीरिन् तुळि परन्द
 मोगत्तै आट्रि कौण्डे कण्ड माट्रम् मौळिन्दु शिन्दै
 चोगत्तै आट्रि कौण्डे तुळि तूव तौडङ्गुकवे ॥ 69 ॥

तौडङ्गुगिन्नाळ् नडम् शौल्लुगिन्नेन् कुरुगूरर् तौळा
 मडङ्गुगिन्नाळ् मण्डलम् शुट्रि आडुगिन्नाळ् मदङ्गि
 विडङ्गु कण्डार् पिळैप्पार् शवैयीर् विरैन्देगुम् इन्द
 प्पडङ्गु विण्डाल् पिन्नै प्पोग औण्णादुम् पदिगळ्ळे ॥ 70 ॥

पदियन् तमिळ् ऐन्न नान्मरै ऐन्न इ प्पार् पुरक्कुम्
 मदियन् तमिळ् ओळि मालैगळ् ऐन्न मरै तमिळिन्

अदियन् तरुम् कवि आयिरम् शैय्दळित्तान् अमुदम्
पौदियन् तरुनदि अम् कुरुगूर् ऐन्दै पूशुरर्क्के ॥ 71 ॥

पूडि कण्डीर् पौय् चमय प्पुलवर्क्कु प्पोक्कु वल्वाय्
वाडि कण्डीर् मट्रै मायत्तरुगर्क्कु मन् उयिर्गड्डु
आडि कण्डीर् तौण्डर्कानन्द वारि कण्डीर् अरिवै
क्काडि कण्डीर् परवुम् कुरुगूर् वन्द कन्पगमे ॥ 72 ॥

कट्टुम् शैवि उर क्केट्टुम् परुगि कळित्तुम् उळ्ळे
मुट्टुम् उगप्पैय्दुम् मूळ्ळुगि कुडैदुम् मुगन्दु कौडु
निट्टुम् निलैयुर नीन्दुतुम् याम् निदम् मारनैम्मै
विट्टुम् विलै कौळ्ळुवुम् उरियान् कवि वैळ्ळुत्तैये ॥ 73 ॥

वैळ्ळुम् परन्दनवो कमलत्तन्नि वैण् मदि मेल्
कळ्ळुम् परन्दनवो मुयल् नीक्कि कविक्करशन्
तैळ्ळुम् परन्द वयल् कुरुगूर् कौम्बिन् शैम् मुगत्तैम्
उळ्ळुम् परन्दनवो कण्णळो ओन्नुम् ओर्गिलमे ॥ 74 ॥

ओरुम् तगैमैक्कुरियारुम् ओङ्गिय जानियरुम्
चारुम् तनित्तलैवन् शङगोबन् तडम् पदिक्के
वारुम् उमक्कोर् उरुदि शौन्नेन् उम् मयक्कम् ऐल्लाम्
तीरुम् तिरुक्करुम् शिन्दै शैव्वे निन्कुम् तीङ्गरुमे ॥ 75 ॥

अरु वगैयाय शमयमुम् ऐवगै ताम्बुलनुम्
उरु वगैयाल् शौन्न ओट्टुम् ऐल्लाम् ओळिवित्तोरुङ्गे
पैरु वगै आरेन चैय्द पिरान् कुरुगूर् प्पिरन्द
चिरु वगैयार् अवरै तौळुदोम् ऐम्मै तीण्डुगवे ॥ 76 ॥

तीण्डि तिरुवडियै प्पट्रि क्कौण्डु शिन्दित्तदैये
 वेण्डि क्कौळ प्पेट्रिलेन् विनैयेन् इव्वेरुम् पिरवि
 आण्डिल् पिरन्द अ क्कालत्तिले अन्बनाय् अणि नीर्
 प्पाण्डि त्तमिळ् तिरु नाट्टुरु क्काट्टिय पावगन्के ॥ 77 ॥

पावगत्ताल् तन् तिरु अवदारम् पदिनौन्नेन्नि
 प्पूवगत्तार् अरियाद वण्णम् तन्नैये पुगळ्न्दु
 नावगत्ताल् कवि आयिरम् पाडि नडित्तळित्त
 कोवगत्तान्कन्नि ऐन् पुरत्तार् शैय् कुट्रेवल्गळे ॥ 78 ॥

कुट्रेवलुम् शैय्दुम् मैय् कण्डु कै कौण्डु कुम्बिट्टुन्बु
 पेट्रेन् ऐन् पोल् ऐवर् पेरु पेट्टार् पिन्नैये पिरन्दु
 वैट्रेवलिन् निन्न पौय्यन्बर् ताङ्गळुम् मैय् उणन्दार्
 ऐट्रे कुरुगै प्पिरान् ऐम्बिरान् तन् इयलिशैक्के ॥ 79 ॥

इयलै तौडुत्तिन्निशैयै प्पुणर्त्तैम्मे इप्पिरवि
 मयलै तुडैत्त पिरान् कुरुगूर् मदियै क्कौणन्दु
 मुयलै तुडैत्तु तनुवै प्पदित्तु मुत्तम् कुयिट्रि
 कयलै क्किडत्ति क्कौल् शाळरत्तूडु कदविट्टुदे ॥ 80 ॥

इट्टत्तिलुम् तम् तम् उळ्ळत्तिलुम् ऐण्णिलुम् इरुप्पिन्
 किट्टत्तिलुम् वलियारुम् उरुगुवर् केणियिलुम्
 पट्टत्तिलुम् पैन् तडत्तिलुम् ओडै प्पळनत्तिलुम्
 कुट्टत्तिलुम् कयल् पाय् कुरुगूर् कुणङ्गळुक्के ॥ 81 ॥

कुणम् वेण्डुमे नर् कुलम् वेण्डुमे अक्कुलत्तौळुक्काम्
 पिणम् वेण्डुमे शैल्व प्पेय् वेण्डुमे पैरुन् तण् वगुळ

मणम् वेण्डुन् तण् तैरियल् पैरुमान् शैय्युळ् मा मणियिन्
कणम् वेण्डुम् ऐन्ऱिवारै क्कण्डाल् शैन्ऱु कै तौळुमे ॥ 82 ॥

तौळुम् पाक्किय विनै तौल्लै प्पिरवि च्चुळियिडै निन्ऱु
ऐळुम् पाक्कियम् उडैत्ताक्कवुम् तैन्नियलोडिशैन्दु
कैळुम् पा कैळुमिय कीर्त्तियै नाळुम् किळत्ति ऐन् ना
त्तळुम्बाक्कवुम् वल्ल को शङ्गोबन् तयाबरने ॥ 83 ॥

परन्दलैक्कुम् पौरुनै कुरुगूरैन्निल् कण् पनिकुम्
करम् तलै कौळुम् उळुम् उरुगुम् कवियाल् उलगै
प्पुरन्दलैक्कुम् विनै तीर्त्तान् पुनै मगिळ् पूवुमन्ऱि
मरम् तलै कौळुवुम् पोदुम् नङ्गाय् उन् मगळ् करुत्ते ॥ 84 ॥

करुत्तिल् करुणै वैत्तेगुम् इदुवुम् कलै मरैयोर्
तिरुत्तिट्रौरु मणम् तीरुम् तिन मयल् नीरिन् निरै
मुरुत्तिन् शैरुन्दयले इवळोडु मुयर् करुम्बिन्
कुरुत्तिल् पिरशम् वैक्कुम् कुरुगूर् शैन्ऱु कूडुमिने ॥ 85 ॥

कूट्टङ्गळ् तोरुम् कुरुगै प्पिरान् कुणम् कूरुमन्बर्
ईट्टङ्गळ् तोरुम् इरुक्क प्पेट्रेम् इरुन्देम्मुडैय
नाट्टङ्गळ् तोरुम् पुनल् वन्दु नाल प्पेट्रेम् इनि मेल्
वीट्टङ्गळ् तोळक्केन्ऱे पैरुम् पोगम् विळैगिन्ऱदे ॥ 86 ॥

विळैयादौळिय मरुन्दुम् उण्डे ऐम् विनै तिनैयिन्
किळैया क्किळर विळैगिन्ऱदाल् किळैयाम् पिरवि
त्तळैयाशळिय तडुत्तु तैन् पालै वळि तडुत्तु
क्कळैयाशर् तडुत्ताण्डान् कुरुगैयिन् काप्पुनमे ॥ 87 ॥

पुनम् पाळ् पडुत्तु प्पुगळ् पाळ् पडुत्तदल्लाल् पुगुन्देन्
 मनम् पाळ् पडुत्तनै वाळ्दि अन्ने वळुवा नरगत्तु
 इनम् पाळ् पडुत्त पिरान् शङ्गोबन् इन्ना कलियिन्
 चिनम् पाळ् पडुत्त निन्नान् कुन्नु शूळ्गिन् शैन्दिनैये ॥ 88 ॥

तिनै ओन्निय कुट्रम् अट्टुणन्दोर् मगिळिन् तिरत्तिन्
 मनै ओन्निय कौडियाळ् तुयिन्नलुम् तन् वाय् अडङ्गा
 विनै ओन्निय अन्निलुक्किडम् काट्टु विरिदलैय
 पनै अन्नियुम् उळदो तमियेन्कु प्पळम् पगैये ॥ 89 ॥

पगैयाय् वरुगिन् मून्नैयुम् वेरिनोडुम् पारित्तु
 वगैयाय् वरुवन यावैयुम् माट्रि इव्वैयमुय्य
 तौगै आयिरम् कवि शौन्नोन् पैयर् शौल्ल चूळ् पनियिन्
 पुगैयाम् इरुळ् पिन्नै ऐन्नाळ् कळिय प्पुगुकिन्ऱदे ॥ 90 ॥

पुगुगिन्ऱदु इरुळ् पोगिन्ऱदु वण्णम् पूवै कण्णीर्
 उगुगिन्ऱदेन्नुयिर् ओयिन्ऱदाल् उलगेळुमुय्य
 तौगुगिन्ऱ आयिरम् शौन्नोन् कुरुगै चौल्लाल् विळङ्ग
 तगुगिन्ऱनर् अल्लर् मेन् मेलुम् कादल् तरुमवरे ॥ 91 ॥

तरुममुम् काममुम् ताविल् अरुम् पौरुळुन् तणवा
 क्करुममुम् आगिय कारणम् कण्ड अ क्कारणत्तिन्
 पैरुमैयुम् माय प्पिणक्कुम् तविन्दुरु पेदम् शैय्युम्
 इरुमैयुम् तीर्न्द पिरान् शङ्गोबन् तन् इन्नरुळे ॥ 92 ॥

अरुळिल् शिल मगिळ् आयिळैक्कीवर् कौल् अन्दि वन्द
 इरुळिल् पिर्दिदु तुयरुम् उण्डो इयलोडिशैयिन्

पौरुळिल् शिरन्द अलङ्गार वल्लियिन् पोक्किल् उळ्ळम्
तैरुळिन् करुम्बोक्कुम् आयिरम् पाप्पण्डु शैय्दवरे ॥ 93 ॥

अवरे अयन्कुम् अरन्कुम् अल्ला अमरर्कुम् ऐल्लाम्
पवरे कै उट्टु ऐन् पणि कौळ्ळुमो पडर् नीरिन् इट्टु
नवरेगै उट्टौळ्ळु चैय्ददल्लाल् नम्बि मारनै प्पोल्
ऐवरे तिरुवायिरम् मोक्क मालै इशैत्तवरे ॥ 94 ॥

तवम् शैय्वदुम् तळल् वेळ्वि मुडिप्पदुम् तम्मै ओरुत्तु
ऐवन् शैय्युम् मैय्यन् कुरुगै प्पिरान् ऐम्मै इन्नमौरु
पवम् शैय्यै माट्रिय पण्डिदन् वण् तमिळ् प्पावुम् उण्डे
अवम् शैय्यै माट्र चैवि उण्डु ना उण्डरिवुमुण्डे ॥ 95 ॥

उण्डाट्टियलुम् तिरुमाल् उरुवै उयर्त्तुलगै
तौण्डाट्टिय वन्दु तोन्निय तोन्नल् तुरै कुरुगूर्
नण्डाट्टिय नङ्गै नाट्टङ्गळाल् इन्द नाट्टै ऐल्लाम्
तिण्डाट्टिय कण्णळ् पोल् शैय्युमो कयल् तीङ्गुकळे ॥ 96 ॥

तीयै क्किळित्तोरु तिङ्गळ् कौळुन्देन चैय्ददल्लाल्
पेयै क्किळित्तेन अन्निल् पनै पिळवार् उळवाम्
नोयै क्किळिक्कुम् वगुळ नल्लार् इन्द नुण् पिरवि
मायै क्किळियै क्किळित्तेम्मै वाङ्गिड वल्लवरे ॥ 97 ॥

वल्लम् पुलि मुग वायिल् करुम्बिन् मरु पिरप्पै
क्कौल्लम् पुलियोर् वगुळम् कौडार् कौडुम् कोगुगट्टि
च्चल्लम् पुलि इट्टेदिरिड प्पाय्वदु तायैन्निङ्गोर्
इल्लम् पुलियुम् उण्डु अम्बुलि मीळ ऐळुगिन्दे ॥ 98 ॥

ऐळुदिय नाळुम् विनैयुम् तौगुत्तैम्मै इप्पिरवि
प्पुळुदियिल् नाद्रिट्टु वैप्परिदाल् पुगळ् मैय् प्पुलवोर्
तौळुदियल् नायगन् ओदुम् कनल् तुरै नीर् प्पोरुनै
वळुदि नन्नाडन् तिरुवाय्मोळि ऐम् मनत्तनवे ॥ 99 ॥

मनैयुम् पैरुञ्जैल्वमुम् मक्कळुम् मट्रै वाळ्वुम् तन्नै
निनैयुम् पदम् ऐन निन्न पिरान् कुरुगूर् निमलन्
पुनैयुम् तमिळ् कवियाल् इरुळ् नीङ्गि प्पोरुळ् विळङ्गि
विनैयुम् तिरिवुट्रन कुट्रम् नीङ्गिन वेदङ्गळे ॥ 100 ॥

शडगोपर् अन्दादि मुद्रिट्टु
नम्माळ्वार् तिरुवडिगळे शरणम्